मेन्स मास्टर

भारत 'विकसित भारत' बनने की ओर अग्रसर है

Indian Express

संदर्भ

लेख में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत के संभावित मार्ग पर चर्चा की गई है, जिसमें देश की समृद्धि का आकलन करने में राजनीतिक नेतृत्व, आर्थिक नीतियों और प्रमुख संकेतकों की भूमिका पर जोर दिया गया है। यह भारत की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालता है, मोदी सरकार की नीतियों की रूपरेखा तैयार करता है, आय संकेतकों, गरीबी में कमी, आय असमानता, मुद्रास्फीति दर, मुद्रा स्थिरता और देश की वित्तीय लचीलापन का मूल्यांकन करता है। यह कथा निरंतर आर्थिक विकास, नियंत्रित मुद्रास्फीति, निवेश, नवाचार और संभावित चुनौतियों के महत्व को रेखांकित करती है जो भारत की विकास यात्रा में बाधा बन सकती हैं।

सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि - दो दशकों की कहानी:

• **धीमा और स्थिर (1947-2014):** भारत को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में ~5% की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ 67 साल लग गए। बुनियादी ढांचे और एक स्थिर नींव के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

• **मोदी के तहत गति (2014-2024):** गति में काफी तेजी आई है, भारत ने केवल 10 वर्षों में $ 2 ट्रिलियन (~ 8% औसत वृद्धि) जोड़ा है। नीतिगत सुधार, बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाना और डिजिटलीकरण प्रमुख चालक हैं।

• **आगे की ओर देखें:** यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है, तो भारत 2029 तक 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दर्शाता है।

संख्याओं से परे - प्रति व्यक्ति आय:

• महत्वपूर्ण सुधार, फिर भी एक लंबी राह: आय का स्तर 2004 में $624 से बढ़कर 2022 में $2,411 हो गया है, जो पिछले दो दशकों में 2.5 गुना वृद्धि दर्शाता है।

• **उच्च-आय लक्ष्य अभी भी दूर है:** हालाँकि, $13,846 की उच्च-आय सीमा अभी भी बहुत दूर है। इस अंतर को पाटने के लिए हालिया विकास गति को कई दशकों तक बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

• **क्रय शक्ति समता - एक बेहतर तस्वीर:** पीपीपी के संदर्भ में, वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने की क्षमता को दर्शाते हुए, भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी $7,112 है, जो जीवन स्तर पर अधिक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य पेश करती है।

आय असमानता - एक जटिल मुद्दा:

• **गिनी इंडेक्स - एक मिश्रित बैग:** जबकि गिनी इंडेक्स द्वारा मापी गई आय असमानता 2004 से 34 के आसपास बनी हुई है, बढ़ती असमानताओं के बारे में चिंताएं बनी हुई हैं।

• **वैश्विक तुलना:** अन्य ब्रिक्स देशों में भी असमानताएं प्रचलित हैं, जिनमें दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और चीन तो और भी अधिक विषम हैं। इस समस्या के समाधान के लिए वंचित समूहों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों की आवश्यकता है।

मुद्रास्फीति और विनिमय दर स्थिरता:

• **नियंत्रित मुद्रास्फीति:** मोदी सरकार के तहत, मुद्रास्फीति काफी हद तक आरबीआई की लक्ष्य सीमा के भीतर रही है, जिससे आर्थिक स्थिरता और पूर्वानुमान को बढ़ावा मिला है।

• **मजबूत विदेशी भंडार:** $600 बिलियन से अधिक विदेशी मुद्रा भंडार के साथ, भारत बाहरी झटकों और मुद्रा अस्थिरता से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है।

2047 तक विकसित भारत - एक यथार्थवादी सपना?

• **बिल्डिंग ब्लॉक्स:** उच्च विकास, नियंत्रित मुद्रास्फीति, बढ़े हुए निवेश और नवाचार पर निरंतर ध्यान भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर प्रेरित कर सकता है।

• **चुनौतियाँ और चेतावनियाँ:** महामारी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ या राजनीतिक उथल-पुथल जैसे बाहरी कारक प्रगति को पटरी से उतार सकते हैं। लचीलापन और अनुकूलनशीलता का निर्माण महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष:

भारत की आर्थिक कहानी प्रभावशाली विकास, बढ़ते जीवन स्तर और बढ़ती वैश्विक प्रमुखता में से एक है। हालाँकि, असमानता, स्थिरता और बाहरी कमजोरियों के संदर्भ में चुनौतियाँ बनी हुई हैं। स्मार्ट नीतियों को अपनाकर, मानव पूंजी में निवेश करके और समावेशिता को बढ़ावा देकर, भारत 2047 तक विकसित भारत के सपने को हकीकत में बदल सकता है।

स्वच्छता समाधानों में गहराई से उतरें: उपयोग किए गए पानी का प्रसंस्करण, प्रबंधन और उपचार

स्वच्छता प्रणालियों को समझना:

• स्वच्छता प्रणालियाँ सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो ऑन-साइट समाधान (जैसे जुड़वां गड्ढे, सेप्टिक टैंक) से लेकर केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क तक विभिन्न प्रकारों के माध्यम से उपयोग किए गए पानी का प्रबंधन करती हैं, जिससे उपचार सुविधाएं मिलती हैं।

प्रयुक्त जल का गंतव्य:

• घरों से उपयोग किया गया पानी विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करता है और इसके लिए उचित प्रबंधन की आवश्यकता होती है; इसे आदर्श रूप से इस संसाधन को शामिल करने, संप्रेषित करने, उपचारित करने और पुन: उपयोग करने के लिए डिज़ाइन की गई स्वच्छता प्रणालियों में प्रवाहित होना चाहिए (जिसे 'अपशिष्ट जल' के बजाय 'प्रयुक्त जल' कहा जाता है)।

स्वच्छता प्रणालियों के प्रकार:

• ऑन-साइट स्वच्छता प्रणाली (ओएसएस):

• ग्रामीण क्षेत्रों या विशाल शहरी आवासों में उपयोग किया जाता है।

• इसमें ट्विन पिट, सेप्टिक टैंक, बायो-डाइजेस्टर शौचालय आदि शामिल हैं।

• संग्रह और भंडारण संरचनाएं उपयोग किए गए पानी का उपचार करती हैं, जिससे मल कीचड़ निकल जाता है।

• जुड़वां गड्ढे और सेप्टिक टैंक:

• जुड़वां गड्ढे: दो गड्ढों का बारी-बारी से उपयोग किया जाता है, जिससे तरल पदार्थों का रिसना संभव हो जाता है जबकि ठोस पदार्थ नष्ट हो जाते हैं।

• सेप्टिक टैंक: जलरोधी टैंक ठोस पदार्थों को अलग करते हैं, तरल पदार्थ को मिट्टी या खाइयों में बहा देते हैं।

• जमा हुए मल कीचड़ और मैल को नियमित रूप से हटाना आवश्यक है।

• केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क:

• घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों के भीतर जगह की कमी आम है।

• पाइपों के नेटवर्क उपयोग किए गए पानी को गुरुत्वाकर्षण या पंपों का उपयोग करके उपचार सुविधाओं तक पहुंचाते हैं।

सुविधाओं में उपचार:

• मल कीचड़ उपचार संयंत्र (एफएसटीपी):

• मल कीचड़ का उपचार करने वाली मशीनीकृत या गुरुत्वाकर्षण-आधारित प्रणालियाँ।

• उपचारित ठोस पदार्थों का कृषि में पुन: उपयोग; भूदृश्य निर्माण में जल का पुन: उपयोग।

• मल कीचड़ की रोकथाम, परिवहन और उपचार पर जोर देता है।

• सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी):

• सीवेज को शुद्ध करने के लिए भौतिक, जैविक और रासायनिक प्रक्रियाओं को नियोजित करें।

• पानी के पुन: उपयोग के लिए झिल्ली निस्पंदन जैसे उन्नत उपचार का उपयोग करें।

• शहर की क्षमताओं और जरूरतों के आधार पर चुने गए आकार में भिन्नता है।

जटिल प्रणालियों का उद्देश्य:

• उपयोग किए गए पानी में अशुद्धियाँ एकत्रित हो जाती हैं जिसके कारण निपटान या पुन: उपयोग से पहले रोकथाम, निष्कासन और उपचार की आवश्यकता होती है।

• सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करता है और पर्यावरण प्रदूषण को अशुद्धियों से बचाता है।

• सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने और स्वच्छता प्रणालियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

स्वच्छता का विकास:

• शुरुआत में गंध और सौंदर्यशास्त्र पर ध्यान केंद्रित किया गया, अब इसे सार्वजनिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की ओर मोड़ दिया गया है।

• सुधार किए गए हैं, लेकिन सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना और सिस्टम चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है।

निष्कर्ष:

• उपयोग किए गए पानी के प्रबंधन, जल निकायों और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उचित रूप से डिजाइन और रखरखाव की गई स्वच्छता प्रणालियाँ महत्वपूर्ण हैं।

• प्रभावी स्वच्छता प्रबंधन के लिए डिज़ाइन की खामियों और असुरक्षित प्रथाओं को संबोधित करना आवश्यक है

कर्ज पर बहस

यह लेख भारत की अर्थव्यवस्था के आईएमएफ के विश्लेषण पर वित्त मंत्रालय की प्रतिक्रिया पर केंद्रित है, जिसमें कुछ अनुमानों को स्पष्ट किया गया है और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजकोषीय उपायों के महत्व पर जोर दिया गया है। यह भारत की ऋण स्थिति, आईएमएफ अनुमान, भारत की राजकोषीय स्थिति की धारणा और घाटे के लक्ष्य को प्राप्त करने और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय राजकोषीय प्रबंधन की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

आईएमएफ के अनुच्छेद IV परामर्श पर वित्त मंत्रालय की प्रतिक्रिया:

• मंत्रालय ने भारत के साथ आईएमएफ के अनुच्छेद IV परामर्श के बाद एक बयान जारी किया, जिसका उद्देश्य आईएमएफ द्वारा लगाए गए कुछ अनुमानों को स्पष्ट करना है।

• आईएमएफ के विचार से सुझाव दिया गया है कि प्रतिकूल झटके 2027-28 तक भारत के सामान्य सरकारी ऋण को सकल घरेलू उत्पाद के 100% या उससे अधिक तक बढ़ा सकते हैं, मंत्रालय ने इसे सबसे खराब स्थिति की संभावना के रूप में चुनौती दी है।

• अन्य आईएमएफ देशों की रिपोर्टों के साथ तुलना पर जोर दिया गया है, जिसमें बहुत अधिक चरम 'सबसे खराब स्थिति' (उदाहरण के लिए, यू.एस., यू.के. और चीन के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 160%, 140% और 200%) का अनुमान लगाया गया है।

ऋण स्थिति और आईएमएफ अनुमान:

• केंद्र और राज्य सरकारों का संयुक्त ऋण 2020-21 और 2022-23 के बीच सकल घरेलू उत्पाद के 88% से घटकर 81% हो गया।

• आईएमएफ के अनुमान अनुकूल परिस्थितियों में 2027-28 तक 70% तक संभावित कमी का संकेत देते हैं।

स्पष्टीकरण और मंत्रालय के इरादे:

• मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उसका बयान कोई खंडन नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य उन टिप्पणियों की गलत व्याख्या या दुरुपयोग को रोकना था, जो यह दर्शाती हैं कि सामान्य सरकारी ऋण मध्यम अवधि में सकल घरेलू उत्पाद के 100% से अधिक हो सकता है।

• विशेषज्ञों के बीच इस बात पर बहस है कि क्या मंत्रालय का संचार टकरावपूर्ण था या स्पष्टीकरण के उद्देश्य से था।

भारत की राजकोषीय स्थिति के बारे में आईएमएफ की धारणा:

• आईएमएफ बोर्ड में भारत के निदेशक ने ऋण जोखिमों पर आईएमएफ कर्मचारियों के निष्कर्षों के बारे में आपत्ति व्यक्त की।

• पिछले वर्ष के दौरान, भारत की राजकोषीय स्थिति के बारे में आईएमएफ के दृष्टिकोण में सुधार हुआ है, अब वह संप्रभु तनाव जोखिमों को मध्यम मान रहा है।

• पिछले साल सकल घरेलू उत्पाद के 57% के आसपास ऋण स्तर के बावजूद राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने की केंद्र की क्षमता में सुधार की धारणाओं को आंशिक रूप से श्रेय दिया गया।

राजकोषीय उपायों का महत्व:

• इस वर्ष अनुमानित 5.9% से 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद के 4.5% के घाटे के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऋण और व्यय को कम करने की गंभीरता पर जोर दिया गया।

• राजकोषीय स्थिरता के प्रबंधन में रिपोर्टों पर प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रियाओं की तुलना में कार्यों के प्रभाव को अधिक महत्वपूर्ण माना गया।

t.me/pragyeshIASMENTOR Pragyesh

प्रीलिम्स ब्लास्टर

यूएनएचसीआर ने अंडमान में पकड़े गए 142 रोहिंग्याओं की देखभाल के लिए भारत को धन्यवाद दिया

- 🌍 यूएनएचसीआर, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, संघर्ष और उत्पीड़न के कारण अपने घरों से भागने को मजबूर लोगों के जीवन को बचाने, अधिकारों की रक्षा करने और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए समर्पित है।
- 🤝 संगठन एक ऐसी दुनिया की दृष्टि से शरणार्थियों, जबरन विस्थापित समुदायों और राज्यविहीन लोगों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का नेतृत्व करता है, जहां हर विस्थापित व्यक्ति बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके।
- 🏛️ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 1950 में स्थापित, यूएनएचसीआर 137 देशों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करता है, संघर्ष और उत्पीड़न से भागने के लिए मजबूर लोगों को आश्रय, भोजन, पानी और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। .
- 🛡️ यूएनएचसीआर विस्थापित व्यक्तियों के सुरक्षा तक पहुंचने के अधिकार की रक्षा करता है, उन्हें घर बुलाने के लिए जगह ढूंढने में मदद करता है, और शरणार्थी और शरण कानूनों और नीतियों में सुधार और निगरानी करने के लिए देशों के साथ काम करता है, यह सुनिश्चित करता है कि मानव अधिकारों को बरकरार रखा जाए।
- 👥 संगठन शरणार्थियों और भागने को मजबूर लोगों को भागीदार मानता है और उन्हें अपनी सभी गतिविधियों में योजना और निर्णय लेने के केंद्र में रखता है।

स्थिरता का जोखिम कम हो रहा है: आरबीआई अधिकारी

📉 **स्थिर आर्थिक विकास:** मुद्रास्फीतिजनित मंदी में धीमी या नकारात्मक आर्थिक वृद्धि शामिल होती है, जो अक्सर उच्च बेरोजगारी या अल्परोजगार के साथ होती है, जिससे उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश कम हो जाता है।

- 💹 **उच्च मुद्रास्फीति:** यह लगातार उच्च मुद्रास्फीति दर की विशेषता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है और पैसे की क्रय शक्ति में कमी आती है।
- 📊 **मौद्रिक नीति के लिए चुनौतियाँ:** पारंपरिक मौद्रिक नीति उपकरण स्थिर विकास और उच्च मुद्रास्फीति दोनों को एक साथ संबोधित करने में अप्रभावी हो सकते हैं, जिससे नीति निर्माताओं के लिए दुविधा पैदा हो सकती है।
- 📈 **स्टैगफ्लेशन के कारण:** यह आपूर्ति के झटके, वेतन-मूल्य सर्पिल और अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक असंतुलन के कारण हो सकता है, जिससे बाजारों की सामान्य कार्यप्रणाली बाधित हो सकती है।
- 💼 **उपभोक्ताओं और व्यवसायों पर प्रभाव:** स्टैगफ्लेशन के कारण उपभोक्ताओं के लिए वास्तविक मजदूरी कम हो जाती है और उत्पादन लागत में वृद्धि, लाभप्रदता में कमी और व्यवसायों के लिए आर्थिक अनिश्चितता होती है।
- 📄 **नीति प्रतिक्रियाएँ:** मुद्रास्फीतिजनित मंदी को संबोधित करने के लिए अक्सर मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों के संयोजन की आवश्यकता होती है, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपायों के साथ आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को संतुलित करना और अंतर्निहित संरचनात्मक मुद्दों को संबोधित करना।

मेर्स्क ने 'ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन' के साथ लाल सागर मार्ग को फिर से शुरू करने की तैयारी की

- 🚢 एक प्रमुख शिपिंग कंपनी मैर्स्क ने अपने जहाजों पर हमलों के कारण दिसंबर में बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से अपने जहाजों का मार्ग रोक दिया, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हो गईं।
- 🇺🇸 संयुक्त राज्य अमेरिका ने कथित तौर पर ईरान द्वारा समर्थित यमनी आतंकवादियों से लाल सागर में अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य की रक्षा के लिए ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन शुरू किया, जिसका उद्देश्य लाल सागर और अदन की खाड़ी को सुरक्षित करना और महत्वपूर्ण स्वेज नहर के माध्यम से यातायात को फिर से शुरू करने की अनुमति देना था।
- 🌍 मैर्स्क ने 24 दिसंबर, 2023 को पुष्टि की कि ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन की स्थापना की गई, जिससे स्वेज नहर का फिर से उपयोग संभव हो गया और जहाजों को लाल सागर के माध्यम से पारगमन की अनुमति मिल गई, जिससे पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में जहाज यातायात फिर से शुरू करने की योजना बनाई गई।
- 🛑 ऑपरेशन के बावजूद, मार्सक ने संकेत दिया कि यह अभी भी उभरती सुरक्षा स्थितियों के आधार पर जहाज यातायात को पुनर्निर्देशित कर सकता है, क्योंकि अन्य कंपनियों ने भी अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर यमनी आतंकवादियों के हमलों के बीच सुरक्षा के बारे में चिंताओं के कारण लाल सागर पारगमन को निलंबित कर दिया है।
- 💰 संकट के कारण, मैर्सक ने केप ऑफ गुड होप के माध्यम से अफ्रीका के चारों ओर जहाजों को पुनर्निर्देशित किया, जिससे बढ़े हुए खर्चों को कवर करने के लिए एशिया शिपमेंट पर कंटेनर अधिभार लगाया गया।

संयुक्त अरब अमीरात के तेल के लिए भारत का पहला रुपया भुगतान और अधिक सौदों की खोज को बढ़ावा देता है

- 💱 भारत ने संयुक्त अरब अमीरात से खरीदे गए कच्चे तेल के लिए रुपये में अपना पहला भुगतान किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय मुद्रा के वैश्विक उपयोग को बढ़ावा देना और डॉलर रूपांतरण से जुड़ी लेनदेन लागत को कम करना है।
- ⛽ सबसे सस्ते विकल्पों से सोर्सिंग करते समय आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने की देश की रणनीति तेल आयात पर उसकी निर्भरता को बढ़ाती है, जो 85% से अधिक है।
- 📉 व्यापार सौदों को रुपये में निपटाने की मांग करते हुए, भारत के इस कदम का उद्देश्य डॉलर रूपांतरण से जुड़ी लेनदेन लागत को समाप्त करके महत्वपूर्ण मात्रा में बचत करना है।
- 🤝 संयुक्त अरब अमीरात और कुछ रूसी तेल आयात के साथ सौदों को भारतीय रुपये में सफलतापूर्वक निपटाया गया है, जो कच्चे तेल के आयात के लिए पारंपरिक अमेरिकी डॉलर निपटान से बदलाव को दर्शाता है।
- 🏦 पिछले साल 18 देशों के साथ कई बैंकों को रुपये में व्यापार निपटाने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की छूट ने सीमा पार लेनदेन में इस मुद्रा को अपनाने की सुविधा प्रदान की।
- 💼 भारत लागत वृद्धि को रोकने और व्यापार की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए सावधानी की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे प्रमुख तेल निर्यातकों को रुपये स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- 💵 रुपये के अंतर्राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य डॉलर की मांग को कम करना है, जिससे भारत वैश्विक मुद्रा में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील हो जाएगा, हालांकि 2022-23 वित्तीय वर्ष में मुद्रा को सीमित उठाव का सामना करना पड़ा।